2. पिकनिक

जब रोहन को कक्षा का मॉनीटर चुना गया, तो सभी खुश थे। रोहन था भी इसके लायक। वह चतुर, चालाक और योग्य था।

इस शनिवार को स्कूल के बच्चे पिकनिक मनाने जाना चाहते थे। बच्चों से प्रधानाचार्य ने कहा, "हर बार आप लोग हमारी पसंद की जगहों पर घूमने जाते हैं। इस बार मैं चाहता हूँ कि आप अपनी पसंद की जगह बताएँ।" सभी बच्चे अपनी-अपनी पसंद की जगह बताने लगे। रोहन को चुप देखकर प्रधानाचार्य ने उससे पूछा, "रोहन, तुम्हारी क्या राय है? इस बार पिकनिक मनाने कहाँ जाना चाहिए?"

Scanned with CamScanner

"सर, मेरे विचार से तो रुद्रकूट जाना ठीक रहेगा। वहाँ के प्राकृतिक दृश्य बहुत सुंदर हैं। सरदी के मौसम में वहाँ के गरम पानी के कुंड में नहाने में मज़ा आ जाएगा।" सब बच्चे रुद्रकूट जाने के लिए राज़ी हो गए। सभी को अगले दिन ठीक समय पर आने के लिए कह दिया गया।

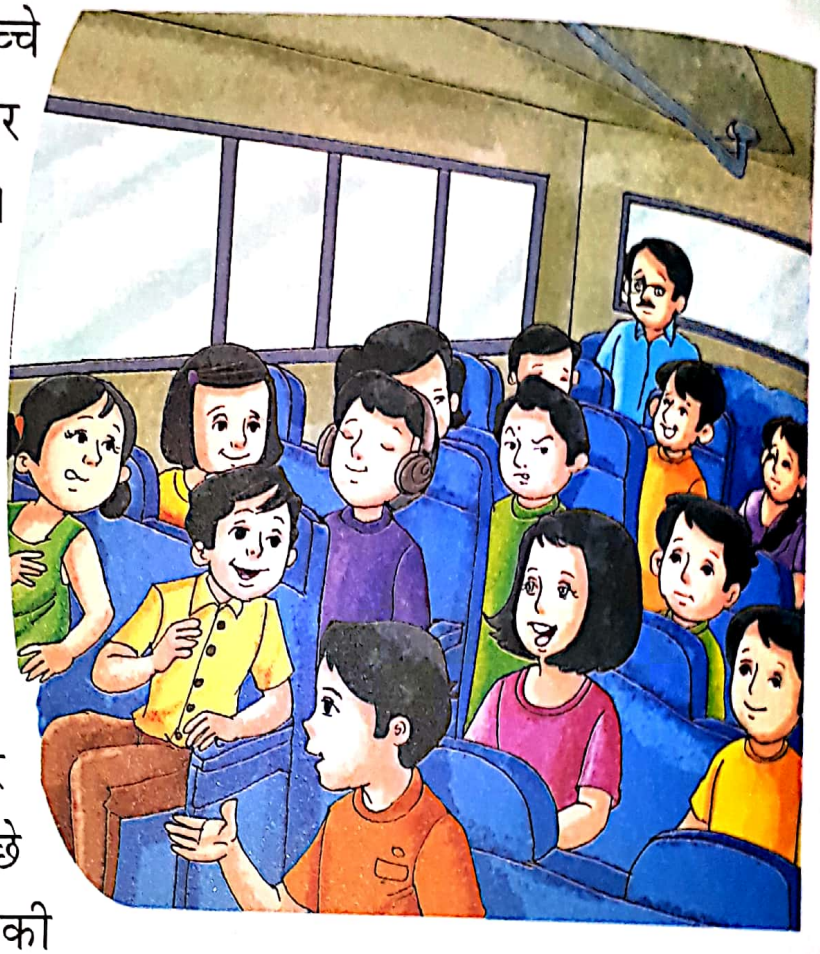

अगले दिन सभी बच्चे एक बस में सवार होकर रुद्रकूट की ओर चल दिए। उनके साथ दो अध्यापक भी थे। सारे बच्चे प्रसन्न थे। वे आपस में मिलकर गीत गा रहे थे। बच्चों का शोर बढ़ते देखकर रोहन ने टोका, "थोड़ी धीमी आवाज़ में गाना गाओ ताकि ड्राइवर को परेशानी न हो। वह पीछे से आने वाली गाड़ियों की आवाज़ को ठीक से सुन सके।"

"लो, रोहन ने यहाँ भी अपनी मॉनीटरी शुरू कर दी। अरे भाई, हम मौज-मस्ती और शोर मचाने ही तो जा रहे हैं। रही ड्राइवर की बात, तो वह सामने लगे शीशे में देख लेगा," विनय बोल पड़ा। रोहन ड्राइवर के केबिन में बैठ गया। बस की रफ्तार काफ़ी तेज़ थी।

तभी रोहन को कुछ दिखाई दिया। उसने ड्राइवर से पूछा- "ड्राइवर चाचा, वह सामने रेलवे क्रॉसिंग तो बिना फाटक के ही दिखाई दे रहा है न?"

Scanned with CamScanner

"हाँ बेटा, तुम ठीक देख रहे हो। मैं बस रोककर देख लेता हूँ कि कोई ट्रेन तो नहीं आ रही," ड्राइवर बोला।

बस एकाएक रुक गई तो बच्चे चौंक गए। गुरमीत बोला, "रोहन को तो हर जगह खतरा ही दिखाई देता है। यह अपने को बहुत सतर्क रहने वाला समझता है।" बस फिर चली और रुद्रकूट पहुँच गई।

वहाँ पहुँचकर सब बच्चे घूमने लगे। अध्यापक महोदय ने सभी को हिदायतें दीं- "कोई बच्चा पेड़ पर नहीं चढ़ेगा। कुंड में बहुत अंदर तक नहीं जाएँगे। किनारे पर ही नहाएँगे। किसी प्रकार की तोड़-फोड़ नहीं करेंगे।"

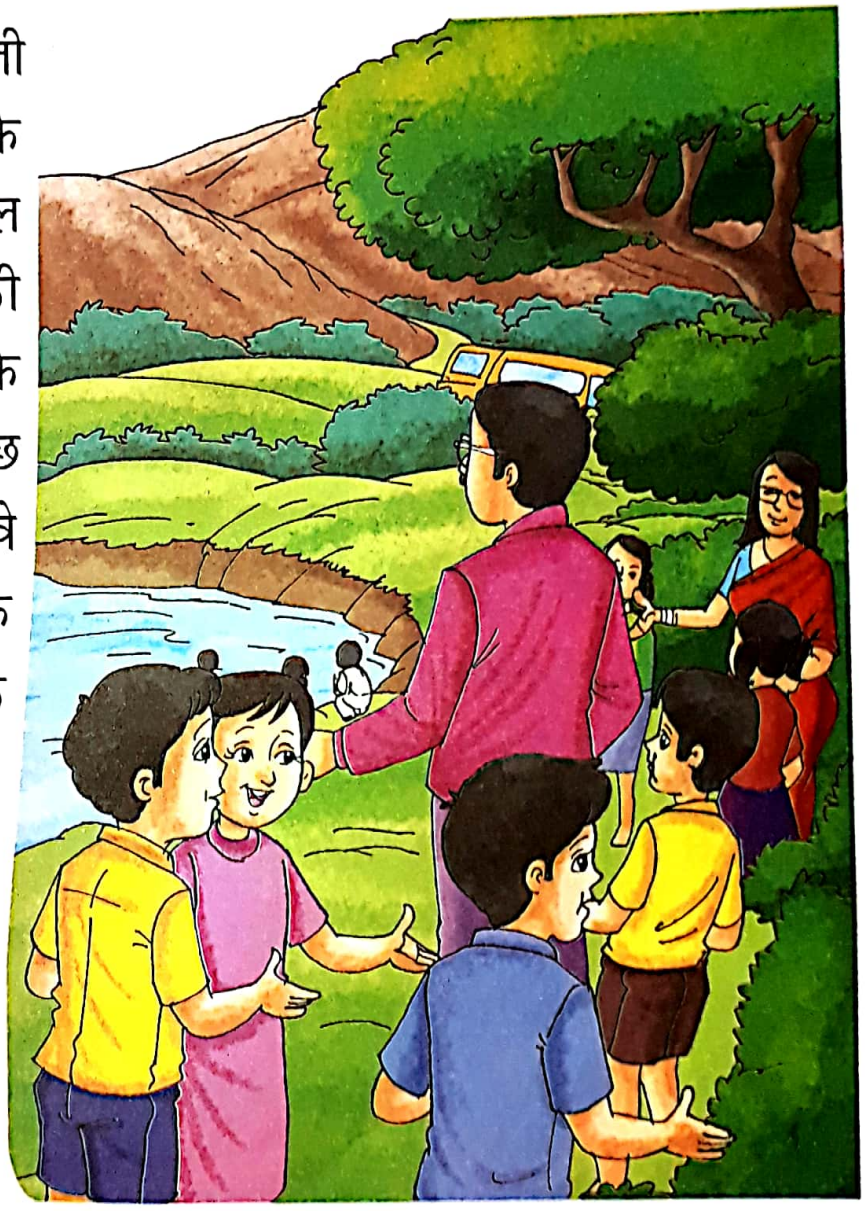

बच्चों ने वहाँ खूब मस्ती की। वहाँ उन्होंने तरह-तरह के खेल खेले। सभी ने मिल-जुल कर खाना खाया। स्कूल की ओर से बच्चों को खाने के लिए फल दिए गए थे। कुछ देर आराम करने के बाद वे घूमने निकले। वहाँ के प्राकृतिक दृश्य बड़े मनमोहक थे।

एक घंटे का मनोरंजक कार्यक्रम भी हुआ।

सायं हो गई। सभी बच्चे बस में आकर बैठ गए। बस वापस चल पड़ी। बच्चे

Scanned with CamScanner

गा रहे थे लेकिन धीरे-धीरे। बस फिर से उस बिना फाटक वाले रेलवे क्रॉसिंग के पास पहुँच गई। रोहन ने ड्राइवर को बस रोककर देख लेने की याद दिलाई।

ड्राइवर ने बस रोकी तो रहमान खिलखिला कर हँस पड़ा और बोला, "रोहन के कहने पर ही ड्राइवर ने बस रोकी होगी। यह रोहन भी एकदम डरपोक है।" तभी एक ट्रेन बड़ी तेज़ गति से वहाँ से गुज़री। यह देखकर बच्चों के रोंगटे खड़े हो गए।

जब ट्रेन निकल गई तो सभी बच्चों ने रोहन को घेर लिया और बोले, "रोहन, तुमने आज हम सभी को बचा लिया, नहीं तो यह ट्रेन हमारा कचूमर ही निकाल देती।"

ड्राइवर ने सीट पर बैठते हुए कहा, "रोहन के कारण ही हम आज एक दुर्घटना से बच गए। अगर रोहन याद न दिलाता तो मैं तो ट्रेन आने की बात भूल ही गया था।"

तभी अध्यापक ने कहा, "देखो, तुम लोग थोड़ी देर पहले तक रोहन की सावधानी का मज़ाक उड़ा रहे थे, लेकिन उसकी इस सावधानी ने ही हम सबको बचा लिया।"

Scanned with CamScanner

"अब हम सब रास्ते में कोई हो-हल्ला नहीं करेंगे," सभी बच्चों ने एक साथ कहा।

"अरे, मैं तुम्हें गाने के लिए मना थोड़े ही कर रहा हूँ। पर समय और स्थान को देखकर धीमे स्वर के साथ गाओ। चलो, सब गाओ," रोहन ने कहा।

सारे बच्चे गाने लगे-

"हमने पिकनिक मनाई, मौज मनाई, धमा चौकड़ी मचाई ....., रोहन को बहुत बधाई।"

शब्द-ज्ञान

चतुर	=	होशियार	प्राकृतिक	=	कुदरती
योग्य	=	लायक	प्रसन्न	=	खुश
रफ़्तार	=	गति	सतर्क	=	सावधान
मनमोहक	=	मन को मोहने वाले			

अभ्यास

पाठ से

- **बताइए–**
  - शनिवार को स्कूल के बच्चे कहाँ जाना चाहते थे?
  - रूद्रकूट में नहाने का क्या स्थान था?
  - बच्चों ने पिकनिक कैसे मनाई?

Scanned with CamScanner